National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

संकलक

राष्ट्रीय एड्स कार्यक्रम की स्थिति

नाको

न्यूज़

जुलाई 2021
खंड I अंक 01

विषय–सूची

संरक्षक की कलम से 03

संपादक की कलम से 04

संकलक 2020 'राष्ट्रीय एड्स कार्यक्रम की स्थिति' 05

सभी के लिए कोविड–19 की वैक्सीन; एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों के लिए टीकाकरण अभियान 06

प्रमुख संकेतकों पर एन.ए.सी.पी. की स्थिति – वित्त वर्ष 2020–21 06

90–90–90 पर राज्यवार स्थिति 07

कोविड–19 के दौरान युवाओं की भागीदारी: रेड रिबन क्लब क्विज़ प्रतियोगिता 08

साझेदारी का सृजन और एच.आई.वी. कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण 09

सतत् भागीदारी 09

सफलता की दिशा में बढ़ते प्रयास 10

'चूज़ टू चैलेंज'; अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021 11

एड्स मुक्त दुनिया की ओर एक और कदम; एड्सकॉन 10 – नेशनल हाइब्रिड कांफ्रेंस 11

'वी आर'; अर्बन आर्ट म्यूरल के ज़रिए एक अभियान 11

पी.एल.एच.आई.वी. और एच.आर.जी. के पोषण संबंधी ज़रूरतों की पूर्ति 12

कोविड–19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल – पी.एल.एच.आई.वी. में बढ़ती चिंताएं 12

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न: पी.एल.एच.आई.वी.–कोविड–19–वैक्सीन 13

संरक्षक की कलम से

प्रिय पाठकों,

उम्मीद करता हूँ कि आप सभी अच्छे होंगे।

दुनिया के बाकी देशों की तरह ही, भारत भी अपनी पूरी क्षमता से कोविड–19 महामारी का मुकाबला कर रहा है। चुनौतियों के बावजूद, भारत ने मौजूदा ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अपनी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार करने का प्रयास किया है।

भारत ने कोविड–19 के खिलाफ अपनी लड़ाई में जनवरी 2021 में अपना सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया। भारत ने 36 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण किया है और इसी के साथ चरणबद्ध तरीके से विभिन्न जनसंख्या समूहों का टीकाकरण अभी जारी है। अभी, महामारी के संक्रमण को सीमित करने और मृत्यु दर के जोखिम को कम करने के लिए टीकाकरण ही एकमात्र प्रमुख हथियार है। अभी तक जिन लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाई है, मैं उन सभी लोगों से आग्रह करता हूं कि, वे जल्द से जल्द वैक्सीन लगवा लें। साथ ही, मैं पी.एल.एच.आई.वी. समुदाय से भी टीकाकरण कराने का आग्रह करता हूँ ।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है कि भारत में कोविड–19 महामारी की वजह से उत्पन्न संकट के दौरान, एच.आई.वी. से संक्रमित लोगों और उच्च जोखिम समूहों तक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के दायरे में आने वाली सेवाओं की निर्बाध पहुंच हो।

चालू वित्त वर्ष 2021–22 के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की वार्षिक कार्य योजनाओं के बजट को स्वीकृत कर लिया गया है और राशि का उचित आवंटन किया गया है। स्वीकृत योजनाओं के अनुसार गतिविधियों को शुरू करने हेतु राज्य एड्स नियंत्रण समितियों को आवंटित बजट राशि की पहली किश्त पहले ही राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा जारी की जा चुकी है।

मैं ए.आर.टी.सी., आई.सी.टी.सी., ब्लड बैंक, सुरक्षा क्लीनिक और टी.आई. एन.जी.ओ. जैसे विभिन्न सेवा केंद्रों के ज़रिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करता हूं, जिन्होंने एच.आई.वी. से संबंधित सेवाओं को निर्बाध पहुंचाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किया है।

कोविड के दौरान लॉकडाउन के समय पी.एल.एच.आई.वी. को ए.आर.वी. दवाओं और इंजेक्शन से नशा करने वालों को ओएसटी दवाओं की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित की गई थी। एड्स, टीबी और मलेरिया हेतु वैश्विक फंड (जी.एफ.ए.टी.एम.) सी19 आरएम अनुदान के तहत, जोख़िम समूहों और पी.एल.एच.आई.वी. के लिए आपातकालीन राहत हेतु समर्थन हासिल हुआ था। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत, 4 लाख से अधिक यौनकर्मियों को भोजन और राशन भी उपलब्ध कराया गया, जिनकी आजीविका अक्टूबर 2020 से मार्च 2021 तक कोविड महामारी की वजह से बाधित हुई थी।

नाको हमेशा समुदाय की भलाई के लिए कार्य करता रहा है और ऐसे मुश्किल वक्त में भी वह डटा रहा। नाको आगे भी पी.एल.एच.आई.वी. और कमज़ोर आबादी की बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध है।

मैं आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें।

आलोक सक्सेना
अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

संपादक की कलम से

'नाको न्यूज़' नाम से त्रैमासिक समाचार बुलेटिन राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत की जाने वाली गतिविधियों, कार्यक्रमों और हस्तक्षेपों की जानकारी देने वाली एक पत्रिका रही है। बदलते समय और विकसित तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बिठाते हुए, नाको ने ई–न्यूज़लेटर के रूप में डिजिटल माध्यम को भी अपनाया है।

ई–न्यूज़लेटर नाको का मासिक डिजिटल प्रकाशन होगा। डिजिटल होने से इंटरैक्टिव दृष्टिकोण और व्यापक पहुंच की संभावना बढ़ती है। ई–न्यूज़लेटर प्लेटफॉर्म न केवल कार्यक्रम के दौरान नाको और स्टेट एड्स नियंत्रण सोसायटियों के प्रयासों व उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा बल्कि देश और विदेश के पाठकों के साथ एक संवादात्मक संबंध भी बनाएगा।

ई–न्यूज़लेटर के माध्यम से नाको को वैश्विक मंचों पर अपने हस्तक्षेपों, सफलता की कहानियों एवं सर्वोत्तम तरीकों को साझा करने का अवसर मिलेगा। यह नाको के ज्ञान साझा करने के लक्ष्य को बढ़ावा देगा और क्रॉस–लर्निंग का एक मंच भी प्रदान करेगा। साथ ही बुलेटिन की पहुंच देश तक सीमित नहीं रहेगी और अंतरराष्ट्रीय पाठकों व विभिन्न हितधारकों को भी आकर्षित करने में सहायक सिद्ध होगी।

हम सभी को इसकी सफलता के लिए इसे ज़्यादा से ज़्यादा लोगों के साथ साझा करके इस नई पहल की पहुंच को बढ़ावा देना चाहिए।

डॉ. नरेश गोयल,
डी.डी.जी. (आई.ई.सी. एवं एम.एस.), नाको
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

संकलक 2020
'राष्ट्रीय एड्स कार्यक्रम की स्थिति'

संकलक 'राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के आंकड़ों पर आधारित एक प्रमुख प्रकाशन है, जो एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य का खतरा मानते हुए इसका 2030 तक उन्मूलन करने के सतत विकास लक्ष्य (एस.डी.जी.) 3.3 पर देश द्वारा की गई प्रगति की जानकारी प्रदान करता है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन यानि नाको ने 'संकलक' का पहला संस्करण वर्ष 2017 में प्रकाशित किया था। 'संकलक' का दूसरा संस्करण वर्ष 2020 में प्रकाशित हुआ था।

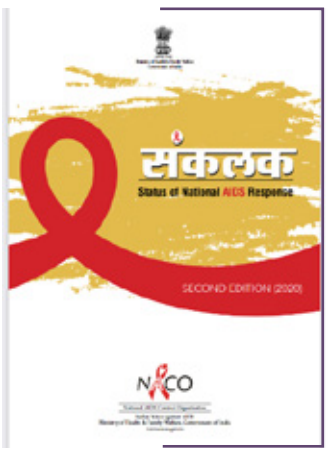

'संकलक' के अध्यायों में तालिका और इन्फोग्राफिक्स जैसे उचित तरीकों का इस्तेमाल करते हुए महामारी से जुड़े तथ्य, 90–90–90 पर हुई प्रगति और कार्यक्रम की स्थिति शामिल हैं। राष्ट्रीय और राज्य–संघ शासित प्रदेशों के तथ्य पत्रक इन बातों को सिद्ध करते हैं। प्रत्येक तथ्य पत्रक के लिए, डेटा नौ क्षेत्रों में प्रदान किया गया है, जिसे नीचे दर्शाया गया है:

'संकलक' तथ्य पत्रक में शामिल डेटा डोमेन

- एच.आई.वी./एड्स महामारी की स्थिति
- 90–90–90 पर हुई प्रगति (2019–20)
- आबादी में नए एच.आई.वी. संक्रमण की रोकथाम
- उच्च जोखिम समूह और ब्रिज पॉपुलेशन में एच.आई.वी. संक्रमण के नए मामलों की रोकथाम
- एच.आई.वी. संक्रमण का लोगों में शीघ्र पता लगाना
- एच.आई.वी. संक्रमित लोगों के ए.आर.टी. पर पहल और अवधारण
- वायरल शमन और प्रयोगशालाएं
- माँ से बच्चे में होने वाले एच.आई.वी. संक्रमण का उन्मूलन
- एच.आई.वी./एड्स से संबंधित कलंक एवं भेदभाव का उन्मूलन

यह प्रकाशन कार्यक्रम के ज़रिए हासिल की गई प्रगति पर प्रकाश डालता है और साथ ही उन चुनौतियों की पहचान करने में सहायता करता है जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यक्ता है।

'संकलक' का मौजूदा संस्करण प्रकाशन की श्रृंखला का दूसरा संस्करण है और नाको की वेबसाइट (http://www-naco-gov-in/monitoring&through&sims) पर उपलब्ध है।

सभी के लिए कोविड–19 की वैक्सीन; एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों के लिए टीकाकरण अभियान

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने कोविड–19 टीकाकरण में लोगों को प्राथमिकता देने हेतु सह–रुग्णता प्रमाण–पत्र जारी किया है, जिसमें 'प्राइमरी इम्यूनोडिफीसिअन्सी डिज़ीज/एच.आई.वी. संक्रमण' (संदर्भ हेतु प्रमाण–पत्र यहां दिया गया है) भी शामिल था।

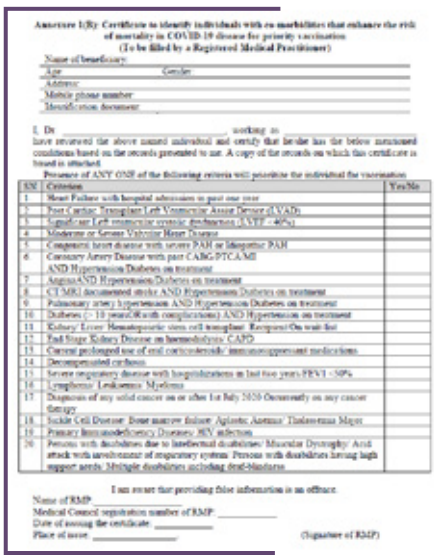

नाको ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सुझाव देते हुए कहा कि वो यह सुनिश्चित करें कि एच.आई.वी. के साथ जी रहे सभी लोगों (सीडी4 काउंट और वायरल लोड की परवाह किए बिना) का कोविड–19 से खुद को सुरक्षित रखने और रिश्तेदारों, दोस्तों व सहकर्मियों सहित उनसे जुड़े लोगों में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कोविड–19 टीकाकरण हो।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया निम्नलिखित वेब–लिंक देखें:

https://www.mohfw.gov.in/covid_vaccination/vaccination/important-information.html

प्रमुख संकेतकों पर एन.एसी.पी. की स्थिति – वित्त वर्ष 2020–21

SI- Programme Monitoring & evaluation : Status of National AIDS Control Programme - Phase IV (Ext.) during the FY 2020-21

Strategic Information - Programme monitoring and Evaluation reports the progress towards the stated targets and goals periodically to the various National and International Forums. The Status on key indicators during the FY 2020-21 is presented below. The same will be updated periodically as appropriate.

Status on key Indicators during the FY 2020-21

State/ Uts	High risk group & bridge population covered through Target Interventions & Link Worker Scheme	STI/RTI patients managed at Designated STI/RTI Clinic	HIV testing among vulnerable Population (excluding Pregnant Women)	HIV positive results among vulnerable Population (excluding Pregnant Women)	HIV testing among pregnant women	HIV positive results among Pregnant Women	% of HIV positive mothers initiated on lifelong ART	% of exposed babies initiated on ARV prophylaxis	New registration of PLHIV at ART Centre	PLHIV Initiated on ART	PLHIV on ART (Cumulative)*	HIV-TB cross referrals	Viral load tests conducted
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	NA	1,493	17,305	12	4,959	1	0.00	NA	17	15	127	537	NA
आंध्र प्रदेश	3,77,709	4,57,431	7,18,200	10,174	7,16,826	579	98.79	98.75	10259	9952	1,95,626	95,689	1,06,792
अरुणाचल प्रदेश	57,226	27,938	20,594	29	14,617	7	77.78	83.33	28	28	189	2,480	60
असम	53,671	76,509	1,96,165	1,152	4,72,302	125	107.04	93.85	1136	923	8,185	30,504	1,866
बिहार	1,68,820	2,50,660	5,49,470	6,407	18,17,356	337	85.41	80.90	6018	5763	64,317	1,02,615	32,819
चंडीगढ़	69,931	25,692	52,359	280	18,437	14	170.59	89.66	358	325	6,478	2,804	2,861
छत्तीसगढ़	1,64,378	1,78,129	3,32,825	1,851	4,62,822	147	106.25	94.40	1801	1667	16,543	34,102	8,258
दादरा व नगर हवेली और दमन व दीव	NA	2,080	28,876	60	16,904	1	0.00	100.00	NA	NA	NA	1,424	NA
दिल्ली	5,65,816	2,77,154	3,38,689	3,445	2,99,708	130	91.50	96.61	3149	2690	35,831	48,086	20,552
गोवा	40,598	39,163	42,157	171	21,356	9	76.92	93.33	177	162	3,027	2,119	2,872
गुजरात	7,15,311	3,17,659	10,23,807	5,054	12,85,859	419	97.64	96.72	5381	5000	76,054	1,59,045	67,605
हरियाणा	29,655	1,31,267	4,72,075	2,920	4,64,884	238	38.11	92.19	2511	2326	17,698	66,057	5,262
हिमाचल प्रदेश	32,827	56,233	1,49,239	336	1,01,251	25	100.00	95.83	334	307	4,606	16,066	1,805
जम्मू और कश्मीर	0#	1,277	1,25,301	210	1,56,388	15	100.00	100.00	206	187	2,925	8,143	655
झारखंड	67,050	63,958	1,95,160	1,039	6,65,771	94	90.00	92.59	1371	1278	12,320	45,344	6,582
कर्नाटक	7,13,636	6,44,292	16,32,197	9,511	11,53,131	558	97.32	91.19	9459	8939	1,78,673	1,29,037	89,430
केरल	4,06,617	1,59,149	4,10,718	772	4,30,187	16	94.64	95.74	761	642	15,963	26,998	11,194
लद्दाख	NA	NA	1,598	9	1,465	0	0	0	-	-	15	228	NA
मध्य प्रदेश	4,14,635	5,83,343	7,93,231	3,446	14,60,582	325	99.60	99.21	3576	3270	30,349	1,40,122	24,948
महाराष्ट्र	21,95,026	10,29,986	28,43,782	11,519	20,07,409	710	91.93	91.64	11974	11304	2,88,115	2,97,486	2,07,396
मणिपुर	68,859	52,059	45,418	561	25,450	51	91.41	94.74	714	667	13,946	1,890	7,995
मेघालय	2,996	13,515	36,029	626	60,737	131	64.71	85.41	679	582	3,152	3,061	1,393
मिजोरम	37,958	31,059	53,463	1,904	17,486	155	82.97	96.31	1866	1845	11,752	3,651	7,031
नागालैंड	45,775	49,192	77,027	1,100	16,466	159	55.84	94.50	1180	1076	10,447	4,452	6,651
उड़ीसा	1,87,406	2,09,639	7,48,192	2,021	6,79,152	186	90.60	93.14	1958	1835	21,756	1,02,605	6,676
पुदुचेरी	13,985	22,206	69,968	118	27,992	2	60.00	100.00	61	59	1,252	2,292	875
पंजाब	1,94,912	1,82,018	6,42,467	6,654	3,75,167	379	87.42	94.32	6873	6647	44,141	57,613	27,977
राजस्थान	1,70,560	2,33,467	10,39,566	4,182	13,81,426	337	101.82	94.23	4404	4245	48,176	1,33,589	32,958
सिक्किम	2,525	5,436	18,143	30	6,114	3	100.00	75.00	27	26	226	1,121	105
तमिलनाडु	3,85,906	3,93,853	23,80,620	5,071	12,31,677	324	100.12	95.44	5329	4826	1,24,640	1,82,434	80,420
तेलंगाना	3,32,152	2,70,563	4,53,944	6,787	6,62,427	454	99.55	76.55	7125	6875	1,12,083	75,522	38,312
त्रिपुरा	63,918	36,456	80,222	497	39,771	21	100.00	90.00	495	493	2,125	5,313	745
उत्तर प्रदेश	2,87,071	6,59,773	9,81,214	8,363	46,20,181	533	98.80	80.62	8751	8234	91,968	3,56,038	57,477
उत्तराखंड	1,05,241	1,35,723	1,18,294	552	1,74,330	43	77.55	75.76	593	439	4,459	18,131	2,394
पश्चिम बंगाल	1,88,879	1,79,228	12,99,191	3,108	13,32,455	240	100.27	95.53	3186	2824	46,994	88,693	28,351
इंडिया	**81,61,048**	**68,02,036**	**1,80,32,238**	**99,971**	**2,22,44,467**	**6,768**	**93.53**	**91.49**	**1,01,757**	**95,451**	**14,94,143**	**22,45,294**	**8,90,317**

Note: * Inclusive of 1.06 lakh PLHIV on ART in private sector; # data not reported;

In A & N Islands, Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu and Ladakh - there is no Target Intervention and Viral Load facility. In Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu & Ladakh – there is no ART centre. In Ladakh - there is one Link ART center; In ladakh - there is no Designated STI/RTI Clinic

90–90–90 पर राज्य–वार स्थिति

भारत / राज्य / यूटी	पहले 90 (%)			दूसरे 90 (%)			तीसरे 90 (%)		
	2018	2019	2020	2018	2019	2020	2018	2019	2020
भारत	72	76	78	82	84	83	72	84	85
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	33	29	30	69	89	87			
आंध्र प्रदेश	78	83	86	75	76	75	60	80	81
अरुणाचल प्रदेश	37	42	38	63	63	69	58	73	74
असम	45	51	54	77	76	72	77	87	88
बिहार	54	58	59	79	83	84	67	81	85
चंडीगढ़	>=95	>=95	>=95	81	88	88	65	91	93
छत्तीसगढ़	46	50	51	76	77	76	70	85	86
दिल्ली	70	75	74	77	75	73	75	87	88
गोवा	78	81	82	84	85	84	79	86	86
गुजरात	79	85	87	87	86	84	72	86	85
हरियाणा	38	49	54	72	79	73	51	63	82
हिमाचल प्रदेश	69	73	77	87	89	86	56	81	84
जम्मू और कश्मीर और लद्दाख	59	67	67	77	74	77	76	84	90
झारखंड	62	62	65	80	88	84	74	83	83
कर्नाटक	76	81	84	83	85	83	68	79	81
केरल	64	65	66	96	98	97	83	89	91
मध्य प्रदेश	57	66	68	77	77	74	73	81	81
महाराष्ट्र	84	89	90	84	83	82	74	87	87
मणिपुर	54	52	54	86	92	92	86	92	93
मेघालय	31	33	39	72	78	73	89	90	92
मिजोरम	57	61	67	80	83	85	82	92	90
नागालैंड	60	55	59	65	83	78	73	80	87
उड़ीसा	45	50	53	86	85	84	76	84	87
पुदुचेरी	43	38	37	67	78	78	66	86	86
पंजाब	67	80	88	83	80	77	70	83	84
राजस्थान	81	88	92	87	86	84	59	82	83
सिक्किम	62	69	73	89	87	84	86	87	89
तमिलनाडु	88	91	93	84	86	85	74	85	85
तेलंगाना	75	69	67	91	>=95	>=95	66	78	80
त्रिपुरा	70	77	79	88	89	89	70	80	85
उत्तर प्रदेश	60	65	68	82	84	84	78	88	87
उत्तराखंड	49	56	59	78	76	71	62	86	86
पश्चिम बंगाल	65	70	71	89	87	85	80	89	90

90–90–90 पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र–वार प्रगति (2018, 2019 और 2020)

कोविड–19 के दौरान युवाओं की भागीदारी: रेड रिबन क्लब क्विज़ प्रतियोगिता

12 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से **राष्ट्रीय स्तर पर रेड रिबन क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन** किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कॉलेज स्तर पर रेड रिबन क्लब से जुड़े युवाओं में एच.आई.वी. तथा सम्बंधित मुद्दों पर संवाद की शुरुआत करना था। इससे युवाओं में जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा और एच.आई.वी. संक्रमित लोगों के खिलाफ़ टैबू को दूर करने में भी मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता
(विजेता – असम)

क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता – 04 विजेता टीमें
(असम, राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एवं पुदुचेरी)

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता – 33 राज्य

ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता–518 ज़िले

5158 कॉलेज

मुख्य बातें:

- माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने 'राष्ट्रीय स्तर की रेड रिबन क्विज़ प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले' के विजेताओं को सम्मानित किया।
- यह कार्यक्रम वर्चुअल प्रारुप में आयोजित किया गया था और समर्पित सर्वर लिंक पर और नाको के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और चैनलों (फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब) पर लाइव वेबकास्ट किया गया था।
- वर्चुअल प्रारुप में आयोजन से देश भर से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखने को मिली।

प्रथम
असम

द्वितीय
राजस्थान

तृतीय
दादरा व नगर हवेली

चतुर्थ
पुदुचेरी

साझेदारी का सृजन और एच.आई.वी. कार्यक्रम का सुदृढ़ीकरण: नाको और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एम.ओ.आर.टी. एंड एच) के बीच संयुक्त कार्य समूह (जे.डब्ल्यू.जी.) की बैठक

साझेदारी के अंतगर्त किए गए प्रयासों के तहत, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने 2 फरवरी, 2021 को नाको के उप महानिदेशक (आई.ई.सी. एवं एमएस) डॉ. नरेश गोयल की अध्यक्षता में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एम.ओ.आर.टी. एंड एच) के साथ एक संयुक्त कार्य समूह की बैठक का आयोजन किया। इस बैठक का उद्देश्य नाको और एम.ओ.आर.टी. एंड एच के बीच साझेदारी को मज़बूत करना और ट्रक ड्राइवरों, परिवहन एवं राजमार्ग श्रमिकों और संबंधित आबादी के बीच एच.आई.वी. / एड्स की रोकथाम और इससे संबंधित सेवाओं को बढ़ावा देने हेतु व्यवहारिक रणनीति तैयार करना था। इस बैठक में एम.ओ.आर.टी. एंड एच, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन.एच.ए.आई.) और नाको के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान लिए गए कुछ प्रमुख निर्णय थे:

क) कर्मचारियों के बीच जागरूकता गतिविधियों के संचालन हेतु राज्य परिवहन विभागों को निर्देश जारी करना;

ख) परिवहन विभागों के प्रशिक्षण संस्थानों में एच.आई.वी. सेशन की शुरुआत करना;

ग) बस डिपो, परिवहन हब और टोल प्लाज़ा पर आई.ई.सी. सामग्री को बढ़ावा देना;

घ) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की सेवाओं को ट्रक ड्राइवरों और सम्बंधित वर्गों को उपलब्ध करवाए जाने का प्रावधान।

इस बैठक के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एन.ए.सी.पी.) के तहत शुरु की गई पहलों और सेवाओं से भी अवगत कराया गया।

सतत् भागीदारी: वी.सी.टी.@वर्क इंटरवेंशन हेतु मास्टर ट्रेनर्स

राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के ज़रिए और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.) के सहयोग से नाको ने एच.आई.वी. और एड्स से संबंधित राष्ट्रीय प्रयासों को सुदृढ़ करने और वी.सी.टी.@वर्क को बढ़ावा देने: श्रमिकों के लिए स्वैच्छिक, गोपनीय एच.आई.वी. परामर्श व परीक्षण हेतु सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की भागीदारी को मज़बूत करने के लिए कई प्रयास किए हैं। राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने नियोक्ताओं के नेतृत्व में हस्तक्षेप के अंतगर्त वीसीटी/वर्क इंटरवेंशन के तहत बी.एस.एल. (भीलवाड़ा सूटिंग्स) लिमिटेड, भीलवाड़ा, राजस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

बी.एस.एल. उद्योग की श्रमशक्ति को सक्षम करने के उद्देश्य से, बी.एस.एल. लिमिटेड में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु मानव संसाधन विभाग के साथ बैठक की गई थी। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षित कर्मचारी, एच.आई.वी./एड्स तथा सम्बंधित विषयों पर जागरूकता के लिए बी.एस.एल. उद्योग के कर्मचारियों के लिए विशेष सत्र आयोजन करेंगे।

सफलता की दिशा में अतिरिक्त प्रयास कोविड–19 के दौरान एच.आई.वी. पीड़ित और कमज़ोर आबादी के बच्चों तक पहुँच, चिकित्सा एवं आपूर्ति

कोविड–19 का देश भर की वल्नरेबल पॉपुलेशन के जीवन पर गहरा असर पड़ा है। ऐसे समय में, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिज़ोरम, मणिपुर, नागालैंड और तेलंगाना की राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के सहयोग से, "ऐक्सेलरेट" परियोजना के जरिए साझेदार संगठनों के समर्थन से एच.आई.वी. से पीड़ित बच्चों (सी.एल.एच.आई.वी.) को ए.आर.टी. की डिलीवरी सुनिश्चित की गई थी। यात्रा संबंधित प्रतिबंध, कोविड–19 से संबंधित कलंक और बच्चों की एच.आई.वी. स्थिति के ज़ाहिर होने की संभावना बड़ी चुनौतियाँ थीं, जिन्हें चाइल्ड केयर फैसिलिटेटर्स को माता–पिता और देखभालकर्ताओं को परामर्श देकर दूर करना था। यात्रा प्रतिबंध से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए, परियोजना से जुड़ी टीम ने सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता के अनुसार एक रोडमैप तैयार किया और एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और विहान कर्मचारियों के आवागमन की सुविधा प्रदान की।

ए.आर.टी. केंद्रों ने लोगों को उनके घर तक ए.आर.टी. सहायता

पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके पश्चात् परिवार और उनके पड़ोसियों से कोविड–19 की स्थिति का आंकलन करने हेतु फ़ोन से संपर्क किया गया। सी.सी.एफ द्वारा ग्राहक से घर आने या सुविधाजनक स्थान से सहायता सामग्री को प्राप्त करने का आंकलन और पुष्टि करने के बाद, परियोजना से जुड़ी टीम ने व्हाइट कार्ड में ड्रग रेजिमेन और माता–पिता / देखभालकर्ताओं द्वारा साझा किए गए विवरण को सत्यापित किया। ए.आर.टी. चिकित्सा अधिकारियों ने विभिन्न आहारों की खुराक को तैयार किया, जिन्हें जल्द से जल्द वितरित किया जाना था। ए.आर.टी. की सुपुर्दगी सुनिश्चित करने के लिए विशेष योजनाएं तैयार और क्रियान्वित की गईं। ए.आर.टी. की सुपुर्दगी के बाद, भविष्य में किसी भी आपातकालीन सहायता हेतु सीसीएफ का संपर्क विवरण साझा किया गया। ज़्यादातर मामलों में परियोजना के तहत ए.आर.टी. के साथ–साथ राशन की आपूर्ति, सैनिटाइज़र, मास्क, शिक्षा सामग्री भी मुहैया कराई गई।

'चूज़ टू चैलेंज'; अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021

हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। राज्य एड्स नियंत्रण समितियों ने एच.आई.वी./एड्स के प्रति महिलाओं की संवेदनशीलता से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। अखबारों से लेकर टेलीविजन चैनलों और इंटरनेट तक, एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु कई तरह के मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया।

झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने संस्था की भागीदारी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया और पी.एल.एच.आई.वी., एफ.एस.डब्ल्यू. व टीजी समुदाय के सदस्यों के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया। सामुदाय से जुड़े सुप्रसिद्ध लोगों द्वारा एक प्रेरक सत्र का संचालन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से एफ.एस.डब्ल्यू. और टीजी समुदाय के सदस्य शामिल थे। टीजी और एम.एस.एम. समुदाय के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया, और सांस्कृतिक नृत्य का प्रदर्शन करके इस अवसर की शोभा बढ़ाई। ऐसी गतिविधियों से उनमें स्वतंत्रता की भावना पैदा होती है और उन्हें खुद को व अपनी समस्याओं को व्यक्त करने का एक मंच मिलता है।

एड्स मुक्त दुनिया की ओर एक कदम; एड्सकॉन 10 – नेशनल हाइब्रिड कांफ्रेंस

5 मार्च, 2021 को चंडीगढ़ स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी द्वारा एड्सकॉन–10 नामक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय "एड्स मुक्त विश्व की ओर – राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पर कोविड 19 का प्रभाव" था। चंडीगढ़ विगत नौ सालों से इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करता आ रहा है। इस साल, एड्सकॉन का आयोजन हाइब्रिड वर्चुअल प्रारुप में किया गया था। वर्चुअल माध्यम से 800 से अधिक प्रतिभागी सम्मेलन में शामिल हुए। सहयोगी संगठनों के एच.आई.वी./एड्स के क्षेत्र के विशेषज्ञों ने देश में कोविड–19 की स्थिति के कारण एनएसीपी में आने वाली चुनौतियों का मुकाबला करने पर अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मेलन ने 95:95:95 के लक्ष्य को हासिल करने के महत्व को रेखांकित किया। पॉज़िटिव मामलों का शीघ्र पता लगाना, समय पर उपचार शुरू करना और वायरल लोड की प्रभावी निगरानी को कार्यक्रम की प्रतिक्रियाओं का प्रमुख कारक माना गया।

'वी आर'; अर्बन आर्ट म्यूरल के ज़रिए एक अभियान

तमिलनाडु स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने विश्व एड्स दिवस 2020 के अवसर पर अर्बन आर्ट म्यूरल के ज़रिए 'वी आर' अभियान नामक एक अनूठी पहल शुरु की। इंदिरा नगर एम.आर.टी.एस., चेन्नई, तमिलनाडु का आगे के भाग पर एच.आई.वी./एड्स से जुड़े टैबू और भेदभाव पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सुंदर कैनवास बनाया गया था।

तमिलनाडु स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस.) और स्टेआर्ट इंडिया फाउंडेशन द्वारा टाइडल पार्क, एशियन पेंट्स और सदर्न रेलवे के साथ मिलकर म्यूरल नामक एक पहल, एच.आई.वी. पीड़ित लोगों द्वारा सामना किए जाने वाले भेदभाव के मुद्दे को उजागर करने हेतु की गई थी। 'वी आर' नामक अभियान उन घटकों को चित्रित करता है जो पिछले साल के विश्व एड्स दिवस 2020 थीम, "वैश्विक एकजुटता, साझा ज़िम्मेदारी" के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य नए एचआईवी संक्रमण को कम करने

और एच.आई.वी./एड्स से पीड़ित लोगों के लिए एक उपयुक्त माहौल बनाने में विगत दो दशकों की गति को बनाए रखना है।

टी.ए.एन.एस.ए.सी.एस द्वारा शुरू किए गए अर्बन आर्ट म्यूरल ने यह संदेश दिया कि एच.आई.वी. / एड्स से सुरक्षित बचे लोगों की कहानियों को साझा करके एच.आई.वी. पीड़ित लोगों को टैबू से बचाता है, और उनके संघर्षों और एच.आई.वी. / एड्स के खिलाफ

लड़ाई को भी दर्शाता है। यह पहल चेन्नई, तमिलनाडु में राजीव गांधी आईटी एक्सप्रेस हाईवे कॉरिडोर से गुज़रने वाली अस्थायी आबादी के बीच एच.आई.वी. / एड्स जागरूकता पर दीर्घकालीन प्रभाव को भी दर्शाएगी। इस पहल का अंतर्निहित उद्देश्य शहरी कला का इस्तेमाल वैश्विक संकटों के दौरान प्रभावी प्रतिक्रिया और जागरूकता संदेश, क्षति की भावना और विचारों को फैलाने के साधन रूप में करना था।

पी.एल.एच.आई.वी. और एच.आर.जी. के पोषण संबंधी ज़रूरतों की पूर्ति

कोविड–19 महामारी ने एच.आई.वी. पीड़ित लोगों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। किशोर, गर्भवती महिलाएं, बुज़ुर्ग और ग्राहक जो अपनी आजीविका खो चुके हैं, वे भी सबसे अधिक प्रभावित आबादी में शामिल हैं। महिला यौनकर्मियों (एफ.एस.डब्ल्यू.) और ट्रांस जेंडर (टीजी) की आबादी को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसायटी ने सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के संगठनों के ज़रिए कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी समर्थन के तहत लगभग 9135 ड्राई राशन किट जुटाए। किराना सामान के ये किट करीब 15 किलो के हैं और इनमें चावल, गेहूं का आटा, गुड़, चीनी, दालें, खाना पकाने का तेल, मूंगफली आदि शामिल थे।

इन राशन किटों को एंटी रेट्रोवायरल उपचार केंद्रों के ज़रिए

2000 पंजीकृत पी.एल.एच.आई.वी. को सौंपा गया था, जो आजीवन उपचार करा रहे हैं और जिन्हें पोषण संबंधी सहायता की सख्त ज़रूरत थी। टीआई एन.जी.ओ. के ज़रिए वेश्यालय से जुड़ी एफ.एस.डब्ल्यू. (2522) और टीजी (1033) को 3555 किट वितरित की गईं।

कोविड–19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल – पी.एल.एच.आई.वी. में बढ़ती चिंता

देश में कोविड–19 संकट के दौरान, नेशनल टोल–फ्री एड्स हेल्पलाइन –1097 को हर रोज़ एच.आई.वी. पॉज़िटिव लोगों से सहायता संबंधित कॉल प्राप्त हुए। संकट में फंसे लोगों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने और उन्हें मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने हेतु हेल्पलाइन केंद्रों पर उचित जानकारी रखने वाले परामर्शदाताओं को तैनात किया गया था।

वर्चुअल प्रारुप में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर हेल्पलाइन परामर्शदाताओं के लिए क्षमता निर्माण सत्र आयोजित किए गए। नाको ने परामर्शदाताओं की क्षमता निर्माण हेतु अपने आंतरिक संसाधनों का भी इस्तेमाल किया। नाको ने पी.एल.एच.आई.वी. के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर क्षमता निर्माण मॉड्यूल विकसित करने हेतु राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान NIMHANS, बेंगलुरु के साथ भी सहयोग किया। मनोरोग विभाग, NIMHANS के विशेषज्ञों ने आभासी सत्रों में भाग लिया और हेल्पला. इन परामर्शदाताओं को निम्नलिखित संदर्भ में जानकारी दी:

- पी.एल.एच.आई.वी. पर मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव
- सामाजिक प्रभाव – टैबू
- वैक्सीन और उनकी प्रभावकारिता
- हेल्पलाइन के माध्यम से हस्तक्षेप की आवश्यकता

चिंता, तनाव, अवसाद आदि जैसे मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर 1097 हेल्पलाइन पर कॉल करने वाले पी.एल.एच.आई.वी. को परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं और इसे बाद में NIMHANS द्वारा संचालित मनोसामाजिक सहायता हेल्पलाइन – 080 – 46110007 से जोड़ा गया।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न: पी.एल.एच.आई.वी.–कोविड–19–वैक्सीन

Q. मैं ए.आर.टी. ले रहा एक पी.एल.एच.आई. हूँ। मेरे लिए कोविड–19 टीकाकरण के पात्रता मानदंड क्या हैं?

A. ए.आर.टी. पर सभी पी.एल.एच.आई.वी. कोविड–19 वैक्सीन के लिए पात्र हैं, भले ही उनकी सीडी4 काउंट या वायरल लोड कुछ भी हो। कोविड–19 वैक्सीन और एंटीरेट्रोवायरल दवाओं के बीच कोई फार्माकोलॉजिकल भिन्नता नहीं है, जिन्हें एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों को टीकाकरण के बाद भी देना जारी रखा जा सकता है।

Q. क्या कोविड–19 वैक्सीन का पी.एल.एच.आई.वी. पर परीक्षण किया गया है?

A. हाँ। कोविड–19 वैक्सीन के कई अध्ययनों में एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों को भी शामिल किया गया है, हालांकि, उनकी संख्या बहुत सीमित है। एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों को दो एम.आर.एन.ए. वैक्सीनों के नैदानिक परीक्षणों में शामिल किया गया था; अभी, इस विशिष्ट उपसमूह में सुरक्षा एवं प्रभावकारिता पूरी जानकारी नहीं मिल सकी है।

Q. क्या एच.आई.वी. पॉज़िटिव होने के कारण मुझे टीकाकरण में प्राथमिकता दी जाएगी?

A. हाँ। भारत सरकार ने एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों को कोविड–19 टीकाकरण के लिए प्राथमिकता समूहों की सूची में शामिल किया है।

Q. क्या एच.आई.वी. पीड़ित लोगों के लिए कोविड–19 की वैक्सीन सुरक्षित हैं?

A. हाँ। अभी मौजूदा कोविड–19 वैक्सीन एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों के लिए सुरक्षित मानी जाती हैं।

Q. अगर मैं वैक्सीन नहीं लगवाता / लगवाती हूं तो क्या मुझे एच.आई.वी. पॉज़िटिव होने के कारण, कोविड–19 होने का खतरा अधिक होगा?

A. वर्तमान अध्ययन से पता चलता है कि एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों में कोविड–19 से गंभीर बीमारी विकसित होने का जोखिम हो सकता है। कोविड–19 वैक्सीन एच.आई.वी. से पीड़ित लोगों के लिए इसी तरह से लाभदायक है जैसे की बाकी व्यक्तियों और समुदायों के लिए। यानि यह दोनों के लिए सॉर्स–सी.ओ.वी.–2 के कारण होने वाली गंभीर बीमारी की रोकथाम और सॉर्स–सी.ओ.वी.–2 वायरस के संचरण को कम करती है।

सन्दर्भ:

1. https://www.who.int/news-room/q-a-detail/coronavirus-disease-(covid-19)-covid-19-vaccines-and-people-living-with-hiv
2. https://www.cdc.gov/coronavirus/2019-ncov/need-extra-precautions/hiv.html
3. https://www.avert.org/coronavirus/faqs
4. https://clinicalinfo.hiv.gov/en/guidelines/covid-19-and-persons-hiv-interim-guidance/interim-guidance-covid-19-and-persons-hiv?view=full
5. https://www.unaids.org/sites/default/files/media_asset/covid19-vaccines-and-hiv_en.pdf
6. https://www.mohfw.gov.in/pdf/FAQsforHCWs&FLWs.pdf

सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

NACO
National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

वैश्विक एकजुटता साझा ज़िम्मेदारी

संरक्षक: श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक: सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादक: डॉ. नरेश गोयल, डीडीजी नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकीय पैनल: डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.), डॉ. शोबिनी राजन (डी.डी.जी.), डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, डॉ. ज्योतिका चीमा (परामर्शदाता) नाको, बेंजामिन फ्रैंकलिन (परामर्शदाता), नाको, शेयर इंडिया टीम

नाको ई–न्यूजलेटर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का डिजिटल प्रकाशन है।

छठी और नौवीं मंजिल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36–जनपथ, नई दिल्ली – 110001 दूरभाष: 011–43509999, फैक्स: 011–23731746

हमारी वेबसाइट पर जाएं: www.naco.gov.in

संपादन, डिजाइन एवं उत्पादन: विजुअल हाउस, ई–मेल: tvh@thevisualhouse.in

आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। कृपया हमें nacoindianews@gmail-com पर लिखें।

@NACOINDIA @NACOINDIA @NACOINDIA

AIDS Helpline 1097

Download NACO AIDS APP

समर्थित SHARE